Regarding need for monitoring of hospitals for Ayushman Bharat - Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana

श्री दर्शन सिंह चौधरी (होशंगाबाद) **:** अध्यक्ष महोदय, आज मैं इस सदन में आयुष्मान भारत- प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना, जिसे स्नेह और गर्व से आयुष्मान कार्ड कहते हैं,उस ऐतिहासिक पहल को नमन करना चाहता हूँ । यह केवल एक कागज का कार्ड नहीं, बल्कि यह गरीब के लिए चिंता से मुक्ति और स्वास्थ्य की सुरक्षा का विश्वास है । यह योजना, जिसने लाखों परिवारों को कर्ज, गरीबी और असहायता से बचाया है। जो लोग पहले अस्पताल जाने से डरते थे, आज वे कह रहे हैं कि इलाज भी होगा और सरकार खर्च भी उठाएगी । लेकिन इस महान योजना के साथ कुछ चुनौतियाँ भी सामने आई हैं।

कई निजी अस्पताल उपचार में जान-बूझकर देरी करते हैं, ताकि मरीज मजबूरी में पैसा देकर इलाज करवाए या दूसरे विकल्प छोड़े । कुछ अस्पताल बिना आवश्यकता के महंगे पैकेज दिखाकर पूरा राशि, 5 लाख रुपये तक, एक ही मरीज पर खर्च कर देते हैं। कभी-कभी फर्जी प्रक्रियाओं के नाम पर कहीं-कहीं पर मरीज की जानकारी के बिना कार्ड स्वाइप, नकली भर्ती और बिलिंग की शिकायतें आ रही हैं। इन प्रथाओं से योजना की प्रतिष्ठा घटती नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट दिखाता है कि व्यवस्था मजबूत है तथा निगरानी और सुधार आवश्यक है । इसलिए मेरी मांग है कि अस्पतालों के लिए मॉनीटरिंग और रैंकिंग सिस्टम लागू हो । फर्जी बिलिंग पर दंड और लाइसेंस निलंबन की व्यवस्था कड़ाई से लागू हो। मरीजों के लिए एक रियल टाइम शिकायत (व्यवधान)